बिहार सरकार

पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग

पशुधन द्वारा
जीवन में गुणात्मक सुधार

लम्पी स्कीन डिजिज (Lumpy Skin Disease)

बीमारी के लक्षण

- यह विषाणु जनित बीमारी है जो मुख्यतः गाय एवं भैंसों में होती है।
- इस बीमारी में पशुओं का शारीरिक तापमान काफी बढ़ जाता है (104–105 डिग्री फॉरेनहाईट)।
- शरीर के अधिकतर भागों में मोटे–मोटे उभरे हुये चकत्ते हो जाते है एवं पशु चकत्ते को खुजलाकर घाव कर लेते है।
- चकत्तों में जीवाणुओं का संक्रमण बढ़ जाता है।
- पशुओं में अत्यधिक भूख की कमी हो जाती है।
- पशुओं के नाक एवं मुंह से स्त्राव निकलता है।
- दूध की मात्रा घट जाती है।

बचाव के उपाय

- स्वस्थ पशुओं को संक्रमित पशुओं से अलग रखा जाये एवं पशुओं के आवागमन को रोका जाय।
- गोशालाओं एवं आस–पास के क्षेत्रों में 2 प्रतिशत् सोडियम हाइपोक्लोराईड को पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- गोशालाओं एवं आस–पास मच्छर एवं मक्खी से मुक्त रखने हेतु कीटनाशक (एन्टी रेपलेन्ट) का प्रयोग करें।
- पशु चिकित्सक के सलाह से बुखार आने पर एन्टी पॉइरेटिक्स का प्रयोग करें तथा साथ में एन्टी हिस्टामिनिक एवं एन्टी बैक्ट्रियल का प्रयोग करें।
- घाव को बीटाडिन घोल से नियमित रूप से सफाई करें।
- संक्रमित पशु के दूध का प्रयोग न करें।
- इलाज हेतु स्थानीय पशु चिकित्सक से संपर्क करें।

नोट: यह बीमारी पशुओं से मनुष्यों में नहीं फैलती है।

इस संबंध में किसी प्रकार की जानकारी हेतु पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान बिहार पटना के दूरभाष संख्या: 0612–2226049 पर संपर्क किया जा सकता है।

पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, पशुपालन सूचना एवं प्रसार कार्यालय, बिहार, पटना द्वारा जनहित में प्रचारित